Scan QR To
Connect us on Internet

अंग इंडिया

पूर्णिया से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

21 फ़रवरी 2026 । पूर्णिया । शनिवार । कुल पृष्ठ - 03 । मूल्य - 03 । 19 फाल्गुन । शुक्ल पक्ष । चतुर्थी । 2082 कालयुक्त । विक्रम सम्वत https://angindianews.in

28 विधायकों की सदस्यता पर खतरा, हलफनामे में गलत जानकारी देने पर पटना हाईकोर्ट का नोटिस

पटना : बिहार की राजनीति में बड़ा भूचाल आ सकता है। बिहार विधानसभा चुनाव में विजयी रहे 28 विधायकों की सदस्यता समाप्त हो सकती है। निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर प्रारंभिक सुनवाई के दौरान पटना हाईकोर्ट ने हलफनामे में गलत जानकारी देने के आरोप में 28 विधायकों को नोटिस जारी किया है, जबकि 10 अन्य विधायकों के खिलाफ सुनवाई अभी जारी है।

वर्ष 2025 में हुए विधानसभा चुनाव के बाद अलग-अलग राजनीतिक दलों और निर्दलीय प्रत्याशियों की ओर से कुल 40 चुनाव याचिकाएं दाखिल की गई थीं। इन याचिकाओं में अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों से विजयी घोषित उम्मीदवारों के चुनाव को चुनौती दी गई है। हाईकोर्ट ने इन मामलों की सुनवाई के लिए न्यायमूर्ति शशि भूषण प्रसाद सिंह और न्यायमूर्ति अशोक कुमार पांडेय को अधिकृत किया था। सभी 40 याचिकाओं पर सुनवाई के बाद नवनिर्वाचित विधायकों को नोटिस जारी किए गए हैं।

याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि 38 विधायकों ने नामांकन पत्र के साथ दाखिल किए गए शपथपत्र में सही जानकारी नहीं दी। किसी विधायक पर आपराधिक इतिहास छुपाने का आरोप है, तो किसी पर संपत्ति का सही विवरण नहीं देने का। इसके अलावा कई याचिकाओं में मतदान और मतगणना में अनियमितता बरतने का भी गंभीर आरोप लगाया गया है और निर्वाचन रद्द करने की मांग की गई है।

याचिकाओं में लगाए गए प्रमुख आरोप आपराधिक इतिहास की जानकारी छुपाना, संपत्ति का सही ब्योरा नहीं देना, मतदान प्रक्रिया में गड़बड़ी और मतगणना में अनियमितता बरतना शामिल है।

इन 28 विधायकों को जारी हुआ नोटिस देवयंति देवी उर्फ देवयंति यादव, माधव आनंद, अजय कुमार, राजेश कुमार सिंह, फैसल रहमान, ऋतुराज कुमार, अभिषेक रंजन, मनोज बिस्वास, कौशल किशोर, संदीप सौरभ, डॉ. सुनील कुमार, जितेंद्र कुमार, बाबूलाल शौर्य, सूबेदार दास, इंद्रजीत प्रसाद गुप्ता, सतीश कुमार सिंह यादव, संगीता कुमारी, चेतन आनंद, कविता देवी, हरि नारायण सिंह, कृष्ण मुरारी शरण उर्फ प्रेम मुखिया, नीतेश कुमार सिंह, अभिषेक आनंद, विनय कुमार चौधरी, अनिता, मो तौफिस आलम, बशिष्ठ सिंह और अमरेंद्र कुमार शामिल हैं।

इन नेताओं के खिलाफ भी याचिका दाखिल विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार, मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, मंत्री रमा निषाद, राज कुमार राय, जिवेश कुमार, शुभानंद मुकेश, विनोद नारायण झा, बैद्यनाथ प्रसाद, रत्नेश कुमार और विजय कुमार उर्फ विजय सिंह के खिलाफ भी चुनाव याचिकाएं दायर की गई हैं।

दो-दो याचिकाओं में फंसे विधायक अजय कुमार और राजेश कुमार सिंह के खिलाफ दो-दो चुनाव याचिकाएं दाखिल की गई हैं।

पटना हाईकोर्ट के अधिवक्ता एस बी के मंगलम ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार चुनाव लड़ने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को अपने आपराधिक इतिहास की पूरी और सही जानकारी शपथपत्र में देना अनिवार्य है। यदि कोई उम्मीदवार शपथपत्र के सभी पैरा नहीं भरता या गलत जानकारी देता है, तो यह नामांकन रद्द करने का पर्याप्त आधार हो सकता है।

उन्होंने बताया कि कई जिलों में निर्वाचन पदाधिकारियों ने ऐसे मामलों में नामांकन रद्द किए, जबकि कुछ स्थानों पर इन्हें नजरअंदाज कर दिया गया। इसी वजह से कई याचिकाओं में निर्वाचन आयोग को भी पक्षकार बनाया गया है। यदि आरोप सही साबित होते हैं, तो इन विधायकों की सदस्यता समाप्त हो सकती है, जिससे बिहार की राजनीति में बड़ा उलटफेर तय माना जा रहा है।

नीतीश ने गृह विभाग छोड़ा तो अपराध बढ़ गए

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को राज्य में बढ़ते अपराध को लेकर एनडीए सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह विभाग छोड़ते ही प्रदेश में अपराध चरम पर पहुंच गया है। तेजस्वी ने दावा किया कि मुख्यमंत्री अब बेसहाय हो गए हैं, इसी वजह से सबसे अहम माने जाने वाला गृह विभाग उन्होंने अपनी सहयोगी पार्टी भारतीय जनता पार्टी को सौंप दिया।

विधानसभा के बाहर मीडिया से बातचीत में राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में अपराध बेलगाम हो चुके हैं और सरकार अपराधियों को संरक्षण दे रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की स्थिति ऐसी हो गई है कि उन्हें राज्य की कानून-व्यवस्था से कोई मतलब नहीं रह गया है। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में अपराध की स्थिति सबसे खराब है और बिहार भी उसी राह पर जा रहा है।

तेजस्वी यादव ने यह भी कहा कि परंपरागत रूप से मुख्यमंत्री अपने पास गृह विभाग रखते हैं, क्योंकि कानून-व्यवस्था सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी होती है। लेकिन इस बार नीतीश कुमार ने यह विभाग भाजपा को सौंप दिया, जिससे साफ है कि वे खुद निर्णय लेने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में हत्या, लूट और डकैती की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन सरकार सिर्फ आंकड़ों के सहारे खुद को सही ठहराने में लगी है।

तेजस्वी के आरोपों पर डिप्टी मुख्यमंत्री सह गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने विधानसभा में जोरदार पलटवार किया। गृह विभाग के बजट पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि सरकार में सिर्फ दायित्व बदले गए हैं, नेतृत्व आज भी नीतीश कुमार के हाथ में ही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अंतिम फैसला मुख्यमंत्री ही लेते हैं और किसी को इस बारे में भ्रम में नहीं रहना चाहिए।

सम्राट चौधरी ने सदन में बताया कि राज्य में यदि अपराध हुए हैं तो उन पर कार्रवाई भी हुई है। हत्या और डकैती के मामलों में सात हजार से अधिक आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है। ढाई हजार से ज्यादा लुटेरों को पकड़ा गया है, वहीं पुलिस पर हमला करने वाले 2700 लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं गया है और पुलिस को पूरी छूट दी गई है।

गृह मंत्री ने पूर्व की सरकारों का जिक्र करते हुए कहा कि जब सुशासन स्थापित नहीं हो सका, तब सत्ता से अलग होना पड़ा। उन्होंने दावा किया कि मौजूदा सरकार कानून के शासन में विश्वास रखती है और अपराधियों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। इस मुद्दे पर सत्ता और विपक्ष के बीच टकराव ने विधानसभा का माहौल गर्म कर दिया है।

गृह विभाग में 60 हजार पदों पर होगी बहाली, स्कूल–कॉलेजों की सुरक्षा के लिए बनेगी 'पुलिस दीदी'

बिहार के गृह विभाग में बड़े पैमाने पर भर्ती का रास्ता साफ हो गया है। डिप्टी सीएम सह गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा में ऐलान किया कि राज्य में गृह विभाग के अंतर्गत 60 हजार से अधिक पदों पर बहाली की जाएगी। साथ ही स्कूलों और कॉलेजों की सुरक्षा के लिए 'पुलिस दीदी' का गठन किया जाएगा।

बजट सत्र के दौरान गृह मंत्री ने बताया कि वर्ष 2025 में होमगार्ड के 15 हजार पदों पर बहाली हुई है, जिनमें से 11 हजार 438 अभ्यर्थियों का नामांकन हो चुका है। शेष का नामांकन प्रक्रियाधीन है। उन्होंने कहा कि आगे भी पुलिस बल को मजबूत करने के लिए लगातार भर्तियां होंगी।

सम्राट चौधरी ने सदन में बताया कि अकेले बिहार पुलिस में लगभग 31 हजार नए कर्मियों की तैनाती की जाएगी। इसके अलावा 13 हजार 500 गृह रक्षकों की बहाली होगी। राज्य सरकार पैरा मिलिट्री फोर्स के माध्यम से 17 हजार सैप जवानों की नियुक्ति भी करेगी। इस तरह गृह विभाग में कुल 60 हजार से अधिक पदों पर बहाली सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने यह भी घोषणा की कि बिहार की सभी जेलों में सीसीटीवी के जरिए ऑनलाइन मॉनिटरिंग की जाएगी। जेल में कैदियों से मिलने वालों की पूरी जानकारी सरकार के पास रहेगी। साथ ही बिहार में एक नया हाई सिक्योरिटी जेल और भागलपुर में नया मुक्ति कारागार बनाया जाएगा।

महिला सुरक्षा को लेकर डिप्टी सीएम ने कहा कि एंटी रोमियो स्क्वॉयड की तर्ज पर गठित अभया ब्रिगेड को 'पुलिस दीदी' के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए 1500 स्कूटी और 2500 मोटरसाइकिल खरीदी जाएंगी, ताकि स्कूल और कॉलेजों में पढ़ने वाली छात्राओं को बेहतर सुरक्षा मिल सके।

इसके अलावा राज्य की सभी 40 पुलिस लाइनों में जीविका दीदी की रसोई स्थापित की जाएगी। पुलिस कर्मियों के बच्चों की पढ़ाई के लिए पुलिस लाइन परिसर में ही स्कूल खोले जाएंगे। साथ ही अग्निवीरों को बिहार पुलिस की भर्तियों में आरक्षण देने का भी ऐलान किया गया है।

"मुझे मरवाने के लिए 7 करोड़ की सुपारी दी गई है"

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव का सनसनीखेज आरोप

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने बुधवार को बड़ा और सनसनीखेज आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ नेताओं, कोचिंग माफिया, हॉस्टल संचालकों और मेडिकल माफिया ने उन्हें जान से मारने के लिए शूटरों को 7 करोड़ रुपये की सुपारी दी है। दिल्ली से पूर्णिया पहुंचने के बाद मीडिया से बातचीत में सांसद ने कहा कि उनके खिलाफ सुनियोजित साजिश चल रही है और उन्हें खत्म करने की योजना बनाई जा रही है।

पप्पू यादव ने कहा कि उन्हें मारकर किसी को क्या फायदा होगा, यह समझ से परे है, लेकिन वे किसी भी कीमत पर सच सामने लाएंगे। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वे खेमका हत्याकांड और रुपेश हत्याकांड सहित कई बड़े मामलों से भी पर्दा उठाएंगे और किसी को नहीं छोड़ेंगे।

नीट छात्रा मौत मामले को लेकर सांसद ने एक बार फिर गंभीर आरोप दोहराए। उन्होंने कहा कि यह आत्महत्या नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या है। पप्पू यादव के अनुसार, पटना के प्रभात मेमोरियल अस्पताल और कुछ प्रशासनिक अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध है। उन्होंने दावा किया कि इलाज के दौरान छात्रा को लगातार सेडेटिव इंजेक्शन दिए गए, समय पर जरूरी जांच और एंटीडोट नहीं दिया गया, जिससे उसकी हालत बिगड़ी।

सांसद ने आरोप लगाया कि बिना परिजनों की अनुमति के छात्रा का प्रेग्नेंसी टेस्ट कराया गया और रिपोर्ट नेगेटिव आने के बाद सबूत मिटाने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि उनके पास इन आरोपों से जुड़े सबूत हैं और वे पूरे मामले को दस्तावेजों के साथ सार्वजनिक करेंगे।

इस मामले में उन्होंने बिहार के गृह मंत्री सम्राट चौधरी से सीसीटीवी फुटेज की जांच कराने की मांग की। साथ ही बोरिंग रोड, नागेश्वर कॉलोनी में रहने वाले "संजय" और "गुप्ता" नाम के दो प्रभावशाली व्यक्तियों का जिक्र करते हुए उनके ठिकानों और संपर्कों की जांच की मांग की, हालांकि पूरा नाम बताने से उन्होंने परहेज किया।

पप्पू यादव ने जांच एजेंसियों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एसआईटी और सीआईडी की जांच कमजोर नहीं थी, बल्कि सिस्टम के दबाव में उसे कमजोर किया गया। उन्होंने यह भी पूछा कि जब मामला सीबीआई को सौंपा गया तो कुछ लोगों में बेचैनी क्यों दिखने लगी।

जेल में प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए सांसद ने कहा कि उनके खिलाफ जेल के भीतर भी साजिश रची गई। उन्होंने दावा किया कि उन्हें 28 घंटे तक अमानवीय हालात में रखा गया और जान को खतरा था। उन्होंने जेल प्रशासन के फोन रिकॉर्ड और सीसीटीवी फुटेज की जांच की मांग की है।

अंत में पप्पू यादव ने कहा कि यह मामला सिर्फ मेडिकल लापरवाही तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे गहरी राजनीतिक और सामाजिक साजिश हो सकती है। उन्होंने दोहराया कि वे इस लड़ाई को हाई कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक ले जाएंगे और दोषियों के नाम सार्वजनिक कर सख्त कार्रवाई की मांग करेंगे।

किशनगंज डीपीओ अनीता कुमारी 50 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार, 6.50 लाख नकद बरामद

पटना से आई विशेष निगरानी इकाई की टीम ने शुक्रवार को आईसीडीएस की प्रभारी डीपीओ अनीता कुमारी को 50 हजार रुपये घूस लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई के दौरान कुल 6 लाख 50 हजार 390 रुपये नकद बरामद किए गए। प्रभारी डीपीओ को किशनगंज के डुमरिया भट्ठा रोड स्थित किराए के आवास से गिरफ्तार किया गया।

यह कार्रवाई शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे की है। निगरानी टीम ने टाउन थाना से महज 500 मीटर की दूरी पर डुमरिया भट्ठा पेट्रोल पंप के समीप स्थित आवास से 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए प्रभारी डीपीओ को धर दबोचा। तलाशी के दौरान आवास से चार लाख रुपये से अधिक नकद भी बरामद किए गए।

इस मामले में कोचाधामन के सीडीपीओ नागेंद्र कुमार ने विशेष निगरानी इकाई में प्रभारी डीपीओ अनीता कुमारी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर 18 फरवरी को निगरानी विभाग में कांड संख्या 8/26 दर्ज की गई, जिसके बाद मामले की गहन जांच शुरू की गई।

निगरानी टीम का नेतृत्व डीएसपी लव कुमार कर रहे थे। आठ सदस्यीय टीम में महिला अधिकारी और कर्मी भी शामिल थे। टीम गुरुवार देर रात पटना से किशनगंज पहुंची थी और मौके का इंतजार कर भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई को अंजाम दिया।

जांच के दौरान निगरानी टीम को एक ऑडियो क्लिप भी मिली, जिसमें रुपये की मांग किए जाने की बात सामने आई। यह शिकायत कर्मचारी नरेंद्र कुमार द्वारा की गई थी। कार्रवाई के बाद प्रभारी डीपीओ को थाना लाया गया, जहां उनसे पूछताछ जारी है। बरामद नकदी की गिनती अधिकारियों द्वारा की गई।

निगरानी डीएसपी लव कुमार ने बताया कि पोठिया प्रखंड में सीडीपीओ का प्रभार दिलाने के नाम पर प्रभारी डीपीओ अनीता कुमारी द्वारा 10 लाख रुपये की मांग की गई थी। शिकायत की सत्यता पाए जाने के बाद यह कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि घर की तलाशी में अलमीरा से चार लाख रुपये नकद भी जब्त किए गए हैं, जिसकी जांच की जा रही है कि यह राशि भी कहीं घूसखोरी से जुड़ी तो नहीं है।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले 17 फरवरी को निगरानी टीम ने खनन विभाग के एक बड़े बाबू और चपरासी को ट्रैक्टर छोड़ने के नाम पर 8 हजार और 7 हजार रुपये घूस लेते हुए गिरफ्तार किया था। इससे पूर्व 2 दिसंबर को किशनगंज ब्लॉक चौक के समीप एक राजस्व कर्मचारी को ढाई लाख रुपये के साथ रंगे हाथ पकड़ा गया था। वहीं 10 जुलाई को बस स्टैंड के समीप एक अमीन को एक लाख रुपये घूस लेते हुए निगरानी विभाग ने गिरफ्तार किया था।

भारत–नेपाल सीमा सुरक्षा पर बड़ी बैठक, चुनाव को लेकर 2 से 5 मार्च तक सीमा पूरी तरह सील

सुपौल : नेपाल के मोरंग जिले के विराटनगर में "नेपाल–भारत सीमा जिला समन्वय समिति" की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मोरंग के मुख्य जिला अधिकारी युबराज कतेल ने की। इस बैठक में भारत और नेपाल के सीमावर्ती जिलों के प्रशासनिक व सुरक्षा अधिकारियों ने सीमा सुरक्षा, आपसी समन्वय और सीमा पार अपराधों पर विस्तार से चर्चा की।

भारतीय पक्ष से सुपौल के जिलाधिकारी सावन कुमार तथा पुलिस अधीक्षक शरथ आरएस के साथ-साथ किशनगंज और अररिया जिलों के जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक बैठक में शामिल हुए। वहीं नेपाल की ओर से मोरंग, झापा और सुनसरी जिलों के मुख्य जिला अधिकारी, सशस्त्र पुलिस बल और राष्ट्रीय जांच विभाग के वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के शुभारंभ से पूर्व सभी अधिकारियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया।

बैठक में सीमा सुरक्षा और आपसी सहयोग से जुड़े कुल नौ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सहमति बनी।

नेपाल में होने वाले आगामी संसदीय चुनावों को देखते हुए सुरक्षा के मद्देनजर भारत–नेपाल सीमा को 2 मार्च 2026 की आधी रात से 5 मार्च 2026 की आधी रात तक पूरी तरह सील रखने का निर्णय लिया गया। इस दौरान सीमा पर आवागमन पर सख्त निगरानी रखी जाएगी।

दोनों देशों के अधिकारियों ने सीमा पार से होने वाली आतंकवादी गतिविधियों, हथियारों, गोला-बारूद और नशीले पदार्थों की तस्करी पर सख्त कार्रवाई के लिए संयुक्त अभियान चलाने पर जोर दिया। साथ ही कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच सूचना के त्वरित आदान–प्रदान और आपसी समन्वय को और मजबूत करने पर सहमति बनी।

बैठक में "नो मेंस लैंड" पर अतिक्रमण की जांच करने और अनधिकृत रास्तों से भारतीय वाहनों के प्रवेश को नियंत्रित करने का भी निर्णय लिया गया। इसके अलावा मानव तस्करी, जाली मुद्रा के प्रसार और सीमा पार आर्थिक धोखाधड़ी जैसे अपराधों पर मिलकर कड़ी कार्रवाई करने का संकल्प लिया गया।

बैठक के अंत में भारत और नेपाल के अधिकारियों ने सीमा क्षेत्रों में शांति, सुरक्षा और भाईचारे को बनाए रखने के लिए निरंतर सहयोग और समन्वय जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।

सड़क हादसे में जदयू युवा नेता राजू मंडल की सड़क हादसे में मौत

पूर्णिया: जनता दल (यूनाइटेड) युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष राजू मंडल की एक भीषण सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब वे बारात से लौटते हुए दोस्तों के साथ स्विफ्ट कार से खगड़िया के पत्तराहा मार्ग से तड़के करीब 3:30 बजे पूर्णिया आ रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी कार को सामने से टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि राजू मंडल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके दो साथी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका इलाज हायर सेंटर में चल रहा है। कार चालक समेत एक अन्य युवक को हल्की चोटें आई हैं। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर फरार हो गया। राजू मंडल के असामयिक निधन से जनता दल (यूनाइटेड) सहित पूरे पूर्णिया में शोक की लहर है। परिवार में कोहराम मचा है और स्थानीय लोग इसे जिले के लिए अपूरणीय क्षति बता रहे हैं।

पूर्णिया के हरदा रेड लाइट एरिया में बड़ी कार्रवाई पुलिस-एनजीओ की संयुक्त छापेमारी में 9 हिरासत में

पूर्णिया: पूर्णिया जिले के हरदा रेड लाइट एरिया में गुरुवार शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब मरंगा पुलिस और नया सवेरा एनजीओ की संयुक्त टीम ने एक साथ कई ठिकानों पर छापेमारी की। अचानक हुई इस कार्रवाई से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। छापेमारी के दौरान महिला और पुरुष समेत कुल 9 लोगों को हिरासत में लिया गया है। फिलहाल पुलिस पकड़े गए लोगों की पहचान और भूमिका को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी देने से परहेज कर रही है।

इस अभियान की कमान सदर एसडीपीओ-1 ज्योति शंकर के हाथों में रही। छापेमारी दल में साइबर डीएसपी चंदन कुमार ठाकुर, मरंगा थानाध्यक्ष कौशल कुमार तथा सुमित कुमार समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल शामिल था। पुलिस टीम ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर सघन तलाशी अभियान चलाया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, नया सवेरा एनजीओ की ओर से हरदा इलाके में लंबे समय से चल रही अवैध गतिविधियों की सूचना मिली थी। इसी सूचना के आधार पर पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई की। जैसे ही पुलिस टीम इलाके में पहुंची, वहां मौजूद कुछ लोग भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन चारों ओर से घेराबंदी कर पुलिस ने 9 लोगों को मौके से हिरासत में ले लिया।

हिरासत में लिए गए सभी लोगों को मरंगा थाना लाया गया है, जहां उनसे गहन पूछताछ की जा रही है। छापेमारी की खबर फैलते ही हरदा बाजार और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों के बीच इस कार्रवाई को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं होती रहीं।

मरंगा थानाध्यक्ष कौशल कुमार ने बताया कि एनजीओ की ओर से लिखित आवेदन प्राप्त होने के बाद आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अवैध गतिविधियों के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी भी तरह के गैरकानूनी धंधे को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

आरा में इंटर की छात्रा ने फांसी लगाकर की खुदकुशी, सुसाइड नोट में बीमारी और परीक्षा का जिक्र

आरा : आरा में गुरुवार देर रात एक सीबीएसई इंटरमीडिएट की छात्रा ने पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। परिजनों के मुताबिक, घटना के बाद छात्रा के गले पर काले रंग के निशान भी पाए गए हैं। मौके से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिसमें छात्रा ने अपनी बीमारी और परीक्षा को लेकर मानसिक तनाव का जिक्र किया है।

मृतका की पहचान रेलवे कर्मचारी सतीश कुमार पांडेय की 18 वर्षीय पुत्री अनन्या कुमारी के रूप में हुई है। वह इंटरमीडिएट की छात्रा थी और शुक्रवार को उसका फिजिक्स का पेपर होना था। यह घटना नवादा थाना क्षेत्र के क्लब रोड मोहल्ले की बताई जा रही है।

पुलिस को मौके से छात्रा द्वारा लिखा गया सुसाइड नोट मिला है। नोट में छात्रा ने लिखा है कि वह लगातार बीमार रहती थी और परीक्षा देने की स्थिति में नहीं थी। उसने लिखा कि उसके कारण परिवार के लोग परेशान हैं और वह किसी दबाव में नहीं, बल्कि खुद से यह कदम उठा रही है। नोट में उसने माता-पिता और भाई-बहन से अपना ध्यान रखने की अपील की है।

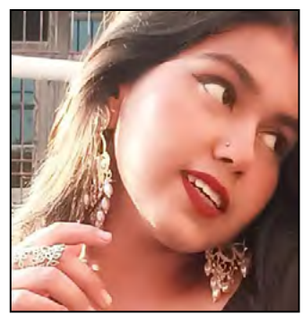

बताया गया है कि मृतका एक भोजपुरी अभिनेता की भांजी थी। वह भोजपुरी अभिनेता ओम प्रकाश ओझा की भांजी थी, जिन्होंने भोजपुरी फिल्मों संघर्ष, सन ऑफ बिहार और कलुआ भइल शयान सहित कई फिल्मों में काम किया है। इसके अलावा उन्होंने हिंदी फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर में भी भूमिका निभाई थी।

मृतका के चाचा गुड्डू पांडेय ने बताया कि अनन्या सीबीएसई बोर्ड से इंटर की परीक्षा दे रही थी और पिछले कुछ समय से जॉन्डिस सहित अन्य बीमारियों से पीड़ित थी। गुरुवार रात खाना खाने के बाद वह अपने कमरे में सोने चली गई। देर रात उसने कमरे का दरवाजा बंद कर दुपट्टे से पंखे के सहारे फांसी लगा ली। जब परिजनों ने कमरे में झांककर देखा तो वह पंखे से लटकी हुई थी, जिसके बाद नवादा थाना पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर सदर अस्पताल भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पिता सतीश कुमार पांडेय ने बताया कि उनकी बेटी अक्सर बीमार रहती थी और पढ़ाई में उसका मन नहीं लग रहा था। उन्होंने कई बार कहा था कि अगर मन नहीं है तो परीक्षा न दे, अगली बार दे देना, लेकिन इसके बावजूद वह मानसिक तनाव में रहती थी।

फिलहाल पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। मृतका तीन भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर थी। परिवार में मां पिंकी देवी, बड़ी बहन प्राची कुमारी और छोटा भाई अंश राज है। घटना के बाद से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

होली से पहले सीवान में उत्पाद विभाग की बड़ी कार्रवाई, 50 लाख से अधिक की शराब से लदा ट्रक जब्त

सीवान: होली पर्व को लेकर सीवान जिले में उत्पाद विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में है। शुक्रवार सुबह वाहन जांच के दौरान उत्पाद विभाग की टीम को बड़ी सफलता मिली, जब अवैध शराब से लदा एक ट्रक पकड़ा गया। जब्त की गई शराब की अनुमानित कीमत 50 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। इस कार्रवाई में पुलिस ने ट्रक के दो चालकों को भी गिरफ्तार किया है।

यह कार्रवाई जीरादेई थाना क्षेत्र के तितरा इलाके में की गई, जहां उत्पाद विभाग की टीम नियमित वाहन जांच अभियान चला रही थी। जांच के दौरान एक संदिग्ध ट्रक को रोका गया। तलाशी लेने पर ट्रक से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद हुई, जिसके बाद तत्काल ट्रक को जब्त कर लिया गया और दोनों चालकों को हिरासत में ले लिया गया।

गिरफ्तार चालकों की पहचान राजस्थान के बाड़मेर जिले के बायतु थाना क्षेत्र अंतर्गत मांगता गांव निवासी सलीम खान और मूल सिंह के रूप में हुई है। दोनों से पूछताछ की जा रही है, ताकि शराब तस्करी के नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जा सके।

इस संबंध में सीवान के उत्पाद अधीक्षक बिपिन कुमार ने बताया कि होली को देखते हुए जिला प्रशासन के निर्देश पर पूरे जिले में सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। अलग-अलग स्थानों पर लगातार छापेमारी और वाहन जांच की जा रही है, ताकि अवैध शराब के कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके। फिलहाल जब्त शराब की गिनती और मूल्यांकन की प्रक्रिया जारी है।

पूछताछ के दौरान गिरफ्तार चालक मूल सिंह ने खुलासा किया कि उसने ट्रक हरियाणा से लिया था और उसे केवल इतना बताया गया था कि ट्रक छपरा पहुंचाना है। उसने यह भी बताया कि ट्रक के आगे एक बाइक चल रही थी, जो रास्ता दिखाने का काम कर रही थी। इससे स्पष्ट होता है कि शराब की तस्करी पूरी तरह सुनियोजित तरीके से की जा रही थी।

उत्पाद विभाग ने इस कार्रवाई को बड़ी सफलता बताते हुए कहा है कि होली के दौरान अवैध शराब की तस्करी रोकने के लिए जिलेभर में अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

हेडलाइन: अपराध नियंत्रण के लिए जिलेभर में वाहन जांच अभियान

पूर्णिया: आज दिनांक 20 फरवरी 2026 को पुलिस अधीक्षक महोदया के आदेशानुसार पूर्णिया पुलिस द्वारा अपराध नियंत्रण एवं असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में वाहन जांच अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों की गहन जांच की गई, वहीं संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ भी की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस तरह के अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे, ताकि कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनी रहे और अपराध पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

बजट सत्र में विधायक विजय खेमका ने गौहत्या प्रतिबंध, गोवंश संरक्षण केंद्र और विकास कार्यों की उठाई मांग

पूर्णिया: बिहार विधानसभा के बजट सत्र में विधायक विजय खेमका ने शून्यकाल व ध्यानाकर्षण के माध्यम से बिहार में गौहत्या पर कठोर कानून बनाकर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की। उन्होंने गौमाता के धार्मिक, वैज्ञानिक व आध्यात्मिक महत्व का उल्लेख करते हुए उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और हरियाणा की तर्ज पर पूर्णिया सहित राज्य में गोवंश संरक्षण एवं संवर्धन केंद्र स्थापित करने की मांग रखी।

इसके साथ ही विधायक ने गुलाबबाग जीरोमाइल क्षेत्र के आसपास नया बिजली ग्रिड बनाने, नगर निगम क्षेत्र के लगभग 10 हजार फुटपाथी दुकानदारों के लिए पूर्व-चिन्हित 11 स्थानों पर वेंडिंग ज़ोन निर्माण की मांग भी सदन में उठाई। उन्होंने कहा कि पूर्णिया का सर्वांगीण विकास उनका संकल्प है और विकास की गति को और तेज किया जाएगा।

सबका सम्मान–जीवन आसान के तहत डीएम ने 39 आवेदनों की की सुनवाई

पूर्णिया: सरकार के 07 निश्चय–03 से बढ़ेगा अपना बिहार कार्यक्रम के तहत सबका सम्मान–जीवन आसान (Ease of Living) अभियान अंतर्गत शुक्रवार को प्रज्ञान सभागार में जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार ने आम जनता से रूबरू होकर 39 आवेदनों की सुनवाई की।

सुनवाई में विभिन्न विभागों से जुड़े मामलों पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को नियमसंगत व त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। आवेदकों की शिकायतों का पंजीकरण कर उन्हें प्राप्ति रसीद दी गई, साथ ही बैठने, शुद्ध पेयजल व अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। बताया गया कि सबका सम्मान–जीवन आसान के तहत प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को प्रखंड, अनुमंडल एवं जिला स्तर पर नियमित रूप से जनसुनवाई की जा रही है।

भवानीपुर नगर पंचायत के माधवनगर कुड़िया टोला में एक हजार लीटर कच्चा शराब को किया गया नष्ट

पूर्णिया: भवानीपुर पुलिस ने अवैध शराब निर्माण के बिरुद्ध शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई की है । इस दौरान पुलिस ने नगर पंचायत भवानीपुर के वार्ड नंबर 2 माधवनगर कुड़िया टोला में शराब निर्माण के लिए तैयार किये जा रहे एक हजार लीटर से अधिक अर्धनिर्मित देशी शराब को नष्ट करने का काम किया है ।

भवानीपुर थानाध्यक्ष राजकुमार चौधरी ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि नगर पंचायत के कुड़िया टोला में बड़े पैमाने पर अवैध शराब तैयार किया जा रहा है । सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सदलबल के साथ छापेमारी करते हुए कुड़ियाटोला में एक हजार लीटर से अधिक मात्रा में अर्धनिर्मित देशी शराब नष्ट करने का काम किया ।

थानाध्यक्ष ने बताया कि नष्ट किया गया अर्धनिर्मित शराब किसका है इसका पता लगाया जा रहा है । बहुत जल्द इसका पता लगाते हुए शराब कारोबारी के बिरुद्ध सख्त कार्रवाई किया जायेगा ।

रविवार को भवानीपुर में होगा जदयू का संगठनात्म चुनाव, तैयारियां पूरी

पूर्णिया, आनंद यादुका: भवानीपुर में जदयू के संगठनात्मक चुनाव रविवार को किया जायेगा । इसको लेकर जदयू पार्टी के द्वारा सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी है । जदयू के भवानीपुर प्रखंड प्रभारी परशुराम कुमार निषाद उर्फ परशुराम मंडल ने बताया कि चुनाव को लेकर पप्पू मुखिया को चुनाव पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है ।

उन्होंने बताया कि चुनाव सुदामा नगर के ब्राइट फ्यूचर पब्लिक स्कूल में कराया जायेगा । चुनाव पर्यवेक्षक श्री मंडल ने बताया कि चुनाव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने के लिए भवानीपुर थाना को भी सूचना दिया जा चुका है । चुनाव के दौरान प्रखंड अध्यक्ष सहित अन्य पदों के लिए एवं संगठनात्म चुनाव कराये जायेंगे ।

जदयू के युवा नेता राजू मंडल के निधन पर कार्यकर्ताओं ने जताया गहरा शोक

पूर्णिया, आनंद यदुका: जनता दल यूनाइटेड के युवा नेता एवं युवा जदयू के जिलाध्यक्ष राजू मंडल के निधन पर भवानीपुर प्रखंड के जदयू कार्यकर्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई। पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनके निधन को संगठन के लिए अपूरणीय क्षति बताया।

जदयू नेता रूपेश कुमार मंडल, शंकर शर्मा, दीपक कुमार, एहतेशाम आलम, मोनू कुमार, अशोक चौधरी, राजेन्द्र मंडल, आशीष कश्यप, डॉ. सदानंद मंडल सहित दर्जनों नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि राजू मंडल एक नेक, मिलनसार एवं कर्मठ व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और हमेशा कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलने में विश्वास रखते थे।

नेताओं ने कहा कि राजू मंडल का व्यवहार सभी वर्गों के लोगों के साथ सौहार्दपूर्ण रहा, जिसके कारण वे क्षेत्र में काफी लोकप्रिय थे। उनके निधन से पार्टी को एक समर्पित एवं सक्रिय युवा नेतृत्व का नुकसान हुआ है।

इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

जदयू के जिला युवा अध्यक्ष की मौत से मर्माहित हुआ रुपौली जदयू परिवार

रूपौली पूर्णिया : जदयू के जिला अध्यक्ष राजू कुमार मंडल के निधन से प्रखंड के जदयू परिवार में अशोक की लहर छा गई है सभी ने मृतक के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना की मौके पर प्रखंड जदयू अध्यक्ष मयंक कुमार, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष संजय कुमार मंडल, प्रखंड युवा अध्यक्ष संतोष कुमार सोनू आदि ने युवा जिलाध्यक्ष राजू कुमार मंडल का सड़क दुर्घटना में असामयिक निधन अत्यंत दुःखद, स्तब्धकारी और पूरे राजनीतिक परिवार के लिए गहरी क्षति है।

राजू संगठन की ताकत एवं युवाओं की आवाज और संघर्षशील नेतृत्व का सशक्त प्रतीक थे। उन्होंने अपने कर्मठता, जुझारूपन और समर्पण से पार्टी की नीतियों को गांव-गांव और युवा-युवा तक पहुँचाने का सफल प्रयास करते रहे । पूर्णिया की धरती पर संगठन को मजबूत करने में उनकी भूमिका, हमेशा स्मरणीय रहेगी। उनका अचानक चला जाना, न केवल पार्टी के लिए, बल्कि पूर्णिया की राजनीतिक एवं सामाजिक चेतना के लिए अपूरणीय क्षति है।

एक ऊर्जावान युवा नेतृत्व का इस तरह असमय खो जाना, हम सभी के लिए व्यक्तिगत पीड़ा का विषय है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिवारजनों और समर्थकों को इस असहनीय दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें। राजू जी का संघर्ष, समर्पण और संगठन के प्रति उनकी निष्ठा हमेशा हमें प्रेरित करती रहेगी !

इंटर छात्र पर गोलीकांड का खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार, पिस्टल और बाइक बरामद

पूर्णिया: केनगर थाना के बाघमारा पेट्रोल पंप के समीप तीन फरवरी को इन्टरमीडिएट के छात्र को गोली मारकर हत्या के प्रयास के मामले की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है एवं मामले में प्रयुक्त पिस्टल को बरामद कर लिया है। आरोपियों की पहचान सदर थाना के खैरूगंज निवासी अभिनंदन कुमार एवं विवेक कुमार तथा केनगर के बाघमारा निवासी पियूष कुमार एवं अमरजीत कुमार के रूप में हुई है। एसपी स्वीटी सहरावत ने बताया कि घायल छात्र दिव्यांशु कुमार का पूर्व में इंस्टाग्राम पर एक मैसेज को लेकर पियूष कुमार के बीच विवाद हुआ था।

बीच में दिव्यांशु भवानीपुर थाना क्षेत्र स्थित अपने गांव चला गया था। 3 फरवरी को जब दिव्यांशु इन्टरमीडिएट की परीक्षा देकर लौट रहा था तो बाइक पर सवार पियूष और विवेक ने ही उसे गोली मारकर घायल कर दिया था। पुलिस ने इनके पास से प्रयुक्त बाइक को भी बरामद कर लिया है। अमरजीत एवं अभिनंदन जो पियूष के साथी हैं, पुलिस ने उनके पास से हथियार बरामद किए हैं। साथ ही पुलिस छानबीन में यह भी सामने आया है कि अभिनंदन ने ही घटना के दिन दिव्यांशु की रेकी की थी। आरोपियों ने पिस्टल उपलब्ध कराने वाले अपने एक अन्य साथी का नाम पुलिस को बताया है, जिसकी तलाश की जा रही है। साथ ही पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के मोबाइलों को जब्त कर लिया है।

अररिया बैंक लूट का आरोपी और 25,000 का इनामी अभिषेक झा गिरफ्तार

सहरसा,अजय कुमार: जिले का कुख्यात, चार संगीन मामलों में वांछित, अररिया जिला के बैंक लूट कांड का आरोपी और 25,000 का इनामी अभिषेक झा को सहरसा पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर लिया। न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।एसपी हिमांशु ने बताया कि बीते 7 दिसंबर 25 को जिला के बिहरा थाना क्षेत्र स्थित बिशनपुर पेट्रोल पंप पर गोली कांड हुई थी। जिसे कुख्यात अपराधी अभिषेक झा और उनके सहयोगियों ने घटना का अंजाम दिया था।

उक्त घटना को लेकर बिहरा थाना कांड संख्या - 280/25 दर्ज की गई थी। जिनकी गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही थी। लेकिन अभियुक्त अभिषेक झा ठिकाना बदल-बदल कर पुलिस को चकमा देने में कामयाब हो रहे थे। उन्होंने बताया की एसआईटी टीम का गठन किया गया था। जिसमें सदर एसडीपीओ आलोक कुमार, साइबर थाना अध्यक्ष सह डीएसपी अजीत कुमार, बिहरा थाना अध्यक्ष शशि कुमार राणा, पुलिस अवर निरीक्षक धीरेंद्र कुमार के साथ जिला आसूचना इकाई के पुलिस पदाधिकारी और कर्मी की टीम बनाई गई थी।

गठित टीम लगातार मानवीय सूचना और तकनीकी अनुसंधान कर अभिषेक झा को गिरफ्तार करने में सफलता पायी। उन्हें नई दिल्ली के विवेक विहार सोसायटी इलाके से गिरफ्तार किया गया था। जिन्हें सहरसा लाया गया है। एसपी हिमांशु ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त जिला के नवहट्टा थाना क्षेत्र अंतर्गत बलवा टोला, वार्ड नंबर - 3 निवासी रतन झा के पुत्र थे। जिनके ऊपर लूट, हत्या के प्रयास और छिनतई के 4 कांड दर्ज थे। जिनमें उनकी तलाश की जा रही थी। साथ ही वे अररिया जिला में बैंक डकैती जैसे गंभीर मामलों में भी संलिप्त थे। जिस कारण उनके ऊपर 25,000 का इनाम भी घोषित था।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अपराधी पर सुपौल थाना कांड संख्या - 713/21, अररिया थाना कांड संख्या - 65/24, सुपौल थाना कांड संख्या - 421/25, सहरसा सदर थाना कांड संख्या - 910/25, सहरसा सदर थाना कांड संख्या - 1385/25 और बिहरा थाना कांड संख्या - 280/25 दर्ज है। गिरफ्तार अपराधी को अग्रतर कार्रवाई के लिए जेल भेज दिया गया।

राजू मण्डल के निधन पर पूर्व सांसद ने जतायी संवेदना, परिजनों से मिल दिया सांत्वना

पूर्णिया : पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा ने जेडीयू युवा जिलाध्यक्ष राजू मण्डल के सड़क दुर्घटना में असामयिक निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त किया है।निधन की सूचना पर श्री कुशवाहा ने स्व राजू मण्डल के आवास पर पहुंचकर उनके परिजनों से मिलकर सांत्वना दिया।उन्होंने कहा कि दुःख की इस घड़ी में वे शोक-संतप्त परिवार के साथ खड़े हैं।गौतरलब है कि पूर्व मे राजू मण्डल की गिनती श्री कुशवाहा के निकटस्थों में हुआ करता था।

इससे पूर्व श्री कुशवाहा ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर एक भावपूर्ण पोस्ट लिखकर राजू मण्डल को भावभीनी श्रद्धांजलि दिया।उन्होंने लिखा कि, राजू ,तुम्हारा इस तरह असमय हम सबों को छोड़ जाना अकल्पनीय है।नियति भी इतना क्रूर हो सकता है, यकीं नही हो रहा है।

छात्र राजनीति से लेकर युवा जेडीयू की पथरीली राह तक के सफर में मैंने तुम्हें पुत्रवत स्नेह दिया, सानिध्य दिया और तुम्हारे सुख और दुःख में हर पल का साझीदार बना।तुम्हारे अंदर की राजनीतिक ऊर्जा को महसूस कर उसी तरह खुद को ऊर्जान्वित महसूस करता था जैसे कोई पिता अपने योग्य पुत्र में अपना अक्स देखता है।क्या पता था कि तुम इस कदर मुझसे रूठ कर चले जायोगे। मैं आज खुद को टूटा हुआ और प्रारब्ध के सामने असहाय महसूस कर रहा हूँ।तुम्हारी वापसी की बाट जोह रही पत्नी और बच्चे के लिए संवेदना और सांत्वना के शब्द कहां से लाऊंगा!तुम हमारी स्मृति में सदैव जिंदा रहोगे। ईश्वर तुम्हारी आत्मा को शांति और मोक्ष प्रदान करे। इस मौके पर श्री कुशवाहा के साथ राकेश कुमार, जितेंद्र यादव, अमोद मंडल,रितेश कुमार, सुशांत कुशवाहा ,अविनाश कुशवाहा, मिथिलेश कुशवाहा ,आशीष कुमार,बंटी आदि मौजूद थे।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा सदस्यता अभियान की शुरूआत 21 फरवरी से होगी

सहरसा,अजय कुमार : राष्ट्रीय लोक मोर्चा द्वारा संगठन को सशक्त एवं जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से 21 फरवरी को दिन के 2 बजे वीर कुंवर सिंह चौक, सहरसा में विशेष सदस्यता अभियान का शुभारम्भ किया जाएगा। यह अभियान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा के मार्गदर्शन में एवं प्रदेश अध्यक्ष माननीय विधायक आलोक कुमार सिंह के नेतृत्व में संचालित किया जा रहा है।

उनके आह्वान पर राज्यभर में संगठन विस्तार को गति दी जा रही है।जिसके तहत सहरसा जिला में भी व्यापक स्तर पर सदस्यता अभियान चलाया जाएगा।इस अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक युवाओं, महिलाओं एवं आम नागरिकों को पार्टी की नीतियों एवं सिद्धांतों से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पार्टी पदाधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोक मोर्चा सामाजिक न्याय, शिक्षा सुधार, विकास और जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठा रहा है।अभियान की संपूर्ण जिम्मेदारी नौ सदस्यीय सहरसा जिला संयोजक मंडल को सौंपी गई है।

जिसके सदस्य अर्चना आनन्द, लोकेश सिंह, अविनाश सिन्हा, रौशन पाठक, बैजनाथ कुमार विमल, संजीत पासवान, दिनेश कुशवाहा ,सलामत राईन तथा सीएम झा बौआ हैं। इनके देखरेख में पूरे जिले में विशेष सदस्यता अभियान चलाकर इसे सफल बनाया जाएगा।पार्टी की ओर से सभी समर्थकों, युवाओं एवं आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे 21 फरवरी को निर्धारित समय पर वीर कुंवर सिंह चौक पहुंचकर सदस्यता ग्रहण करें और संगठन को मजबूत बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

जदयू के प्रखंड अध्यक्ष के लिए शनिवार को होगा चुनाव, लगभग 1700 मतदाता करेंगे अपने मताधिकार का प्रयोग

रूपौली : प्रखंड में जदयू प्रखंड अध्यक्ष का चुनाव शनिवार को होगा, इसके लिए तैयारी पूरी कर ली गई है । इसमें लगभग 1700 जदयू के कार्यकर्त्ता अपने-अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे । इसका चुनाव मुख्यालय स्थित खादी भंडार परिसर में होगा । इस चुनाव को लेकर प्रखंड के जदयू क्रियाशील कार्यकर्त्ता नरेश शर्मा को निर्वाची पदाधिकारी बनाया गया है, जबकि बीकोठी प्रखंड के जदयू प्रखंड नियोजन पर्यवेक्षक के रूप में अमरेंद्र कुमार शामिल होंगे ।

चुनाव की प्रक्रिया 11 बजे से शुरू हो जाएगी, जिसमें नामांकन, नामांकन की जांच, नाम वापसी, मतदान आदि की पूरी प्रक्रिया अपनायी जाएगी । इसबार वर्त्तमान प्रखंड अध्यक्ष सहित अनेक प्रत्याशी अपना भाग्य आजमाने के लिए मैदान में उतर सकते हैं । यह बता दें कि वर्त्तमान में अभी मयंक कुमार प्रखंड अध्यक्ष हैं ।

जदयू पार्टी सूत्रों के अनुसार इसबार का चुनाव काफी गहमा-गहमी भरा होगा । इसमें वर्त्तमान प्रखंड अध्यक्ष मयंक कुमार, पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र नारायण, सुजीत कुमार, रामानंद मंडल, पूर्व अध्यक्षों, अनेक पंचायत अध्यक्षों द्वारा ताल ठोका जा रहा है । संभावना है कि अगर आपस में बात बनी तो, चुनाव की नौबत ही नहीं आएगी तथा सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुन लिये जाएंगे । अगर चुनाव की स्थिति बनी तो, चुनाव होना तय है ।

वैसे तीन से ज्यादा प्रत्याशी होने की स्थिति में, पार्टी इस चुनाव को तत्काल स्थगित भी कर सकती है । पार्टी अपने कार्यकर्त्ताओं के बीच टकराव नहीं होने देना चाहेगी । देखें एकबार फिर मयंक कुमार को ताज मिलता है, या फिर अन्य कोई के सिर पर प्रखंड अध्यक्ष का ताज होगा ।

भूल सुधार

इस समाचार पत्र के कल के अंक (20 फरवरी) में प्रकाशित एक खबर के साथ तकनीकी त्रुटि के कारण गलत शीर्षक (Headline) छप गया था। हमें इस मानवीय भूल के लिए खेद है। उक्त खबर को संशोधित शीर्षक के साथ आज के अंक (21 फरवरी) में पुनः प्रकाशित किया जा रहा है। कृपया पूरी खबर नीचे पढ़ें:

14 मार्च के राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु आधिकाधिक मामलों को चिन्हित कर नोटिस करने का निर्देश

विधि संवाददाता पूर्णिया: 14 मार्च 2026 को आयोजित होने वाले इस वर्ष के प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों के निष्पादन हेतु प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पूर्णिया कन्हैया जी चौधरी के निर्देशनुसार 18 फरबरी 2026 को अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार सुनील कुमार की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की गयी।

इस बैठक में श्रम विभाग के श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी शुभम प्रियदर्शी उपस्थित हुए। माप-तौल से संबंधित मामलों के लिए निरीक्षक विधिक माप विज्ञान पूर्णिया सदर के प्रभारी अधिकारी उपस्थित हुए। बिजली विभाग के कार्यपालक विद्युत अभियंता बालवीर प्रसाद वागीश एवं नवीन मंडल बैठक में उपस्थित हुए। भारत संचार निगम लिमिटेड पूर्णिया के अनुमंडल पदाधिकारी श्रीमती ज्योति कुमारी बैठक में उपस्थित हुई।

बैठक में सचिव महोदय द्वारा यह निर्देश दिया गया कि अपने-अपने विभागों से संबंधित मामलों को अधिक से अधिक संख्या में चिन्हित करें। चिन्हित मामलों में पक्षकार को सूचना प्राप्त कराने हेतु यथाशीघ्र नोटिस तैयार करें एवं कार्यालय से हस्ताक्षर करावें। उक्त लोक अदालत के व्यापक प्रचार प्रसार हेतु अपने-अपने विभागों के कार्यालय परिसर में बैनर लगवाएँ तथा समय-समय पर ध्वनि-विस्तारक यंत्र के माध्यम से भी प्रसार-प्रसार करावें।

ज्ञात हो कि उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में शमनीय आपराधिक मामले, प्ली बार्गेनिंग के मामले, धारा 138 एन0आई0 एक्ट के मामले, बैंक वसूली के मामले, मोटर दुर्घटना दावा वाद, शमनीय ट्रैफिक चालान, श्रम विवाद, जनउपयोगी सेवाएँ से संबंधित मामले जैसे बिजली एवं पानी बिल, तलाक छोड़कर वैवाहिक विवाद, भू-अधिग्रहण के मामले, सेवा एवं पेंशन संबंधित मामले, उपभोक्ता से संबंधित मामले, राजस्व से संबंधित मामले एवं अन्य दीवानी वादों का सुलह समझौते के आधार पर निपटारा किया जाएगा।

मुख्यमंत्री छात्र परिभ्रमण योजना: पूर्णिया की 40 छात्राएं विक्रमशिला रवाना

पूर्णिया: समाहरणालय पूर्णिया के जनसंपर्क कार्यालय के अनुसार, कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री छात्र परिभ्रमण योजना के तहत शुक्रवार को पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कन्या प्लस टू उच्च विद्यालय पूर्णिया की 40 छात्राओं को शैक्षणिक परिभ्रमण के लिए विक्रमशिला, भागलपुर रवाना किया गया।

सहारा वृद्धाश्रम पूर्णिया में आपदा सुरक्षा मॉकड्रिल, बुजुर्गों को दिया गया प्रशिक्षण

पूर्णिया: पॉलिटेक्निक चौक स्थित सहारा वृद्धाश्रम में शुक्रवार को बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से एक दिवसीय क्षमतावर्द्धन एवं आपदा सुरक्षा मॉकड्रिल आयोजित की गई। जिला प्रशासन, अग्निशमन सेवा और राज्य आपदा मोचन बल के सहयोग से हुए कार्यक्रम में लगभग 70 बुजुर्गों व कर्मचारियों ने भाग लिया।

जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार के निर्देश पर एसडीआरएफ बायसी के इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार साह के नेतृत्व में प्रशिक्षकों ने भूकंप, आग, शीतलहर और लू से बचाव का प्रशिक्षण दिया। अग्निशमन सेवा ने उपकरणों की जांच कर आग से सुरक्षा की जानकारी दी। वृद्धाश्रम अधीक्षिका ममता सिंह ने बताया कि मॉकड्रिल में 45 सक्षम बुजुर्ग शामिल हुए। कार्यक्रम में प्राधिकरण के नोडल पदाधिकारी संदीप कमल सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जिला स्तरीय नियोजन सह व्यावसायिक मार्गदर्शन मेला आयोजित, जिलाधिकारी ने किया उद्घाटन

पूर्णिया: युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के अंतर्गत जिला नियोजनालय, पूर्णिया द्वारा शुक्रवार को राजकीय पॉलिटेक्निक, पूर्णिया के परिसर में जिला स्तरीय एक दिवसीय नियोजन सह व्यावसायिक मार्गदर्शन मेला आयोजित किया गया। इस मेले का मुख्य उद्देश्य अभ्यर्थियों को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना रहा।

नियोजन मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में जिला पदाधिकारी पूर्णिया श्री अंशुल कुमार (भा0 प्र0 से0) द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से जिले के युवकों और युवतियों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। उन्होंने बिहार सरकार के अंतर्गत संचालित सात निश्चय-3 की योजनाओं की भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

जिलाधिकारी ने जिले में उद्यमिता को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया और संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि नियोजन मेले का आयोजन और वृहद स्तर पर किया जाए। उन्होंने कहा कि भविष्य में जिले में स्थित सभी प्रमुख शिक्षण संस्थानों के अभ्यर्थियों को ऐसे आयोजनों में सम्मिलित किया जाना चाहिए, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को लाभ मिल सके।

नियोजन मेले में निजी क्षेत्र के कुल 26 नियोजकों ने भाग लिया, जिनके द्वारा लगभग 950 रिक्तियां उपलब्ध कराई गईं। इस दौरान नियोजकों को कुल 1060 बायोडाटा प्राप्त हुए, जिनमें से 374 अभ्यर्थियों का औपबंधिक रूप से चयन किया गया। वहीं, जिला उद्योग केंद्र पूर्णिया, श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग, जिला निबंधन सह परामर्श केंद्र पूर्णिया सहित कुल पांच सरकारी स्टॉलों के माध्यम से 459 अभ्यर्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया।

इस मौके पर उप निदेशक (नियोजन), कोशी प्रमंडल सहरसा, अपर समाहर्ता (विधि-व्यवस्था) पूर्णिया, श्रम अधीक्षक पूर्णिया, प्राचार्य राजकीय पॉलिटेक्निक पूर्णिया तथा प्रबंधक जिला निबंधन सह परामर्श केंद्र अररिया उपस्थित रहे। नियोजन मेले का संचालन जिला नियोजन पदाधिकारी पूर्णिया, जिला कौशल प्रबंधक पूर्णिया, कनीय सांख्यिकी सहायक पूर्णिया एवं जिला नियोजनालय पूर्णिया के कर्मियों द्वारा किया गया।

पंजाब पुलिस ने भवानीपुर पुलिस के सहयोग से एक साइबर आरोपी को किया गिरफ्तार

पूर्णिया, आनन्द यादुका: पंजाब पुलिस ने शुक्रवार को भवानीपुर पुलिस के सहयोग से साइबर क्राइम के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है । जबकि इस कांड का एक आरोपी भागने में सफल रहा । गिरफ्तार आरोपी भवानीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत रघुनाथपुर पंचायत के सिंधियान सुंदर निवासी मनोज मंडल का पुत्र प्रभात कुमार है । पुलिस ने आरोपी के पास से एक मोबाइल भी जप्त किया है । वहीं इस कांड के फरार आरोपी झुल्लु कुमार के घर से पुलिस ने 33 हजार 700 रुपया नगद बरामद कर लिया है ।

भवानीपुर थानाध्यक्ष राजकुमार चौधरी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के बिरुद्ध लुधियाना में कांड संख्या 13/26 दर्ज है और इस घटना की मॉनिटरिंग पंजाब पुलिस के आईजी स्वयं कर रहे हैं । उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के द्वारा एक बड़े अधिकारी के साथ साईबर क्राइम की घटना को अंजाम दिया गया है । इस हाई प्रोफाइल मामले को लेकर पंजाब पुलिस लगातार भवानीपुर पुलिस के संपर्क में बना हुआ था । जिसके बाद शुक्रवार को भवानीपुर थानाध्यक्ष राजकुमार चौधरी, अवर निरीक्षक विकास कुमार के साथ पंजाब पुलिस ने सिंधियान में छापेमारी कर इस चर्चित कांड के मुख्य आरोपी प्रभात कुमार को गिरफ्तार कर लिया । थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत करने के बाद पंजाब पुलिस उसे ट्रांजिट रिमांड पर अपने साथ लुधियाना लेकर चला गया है ।

कुरूक्षेत्र : रामधारी सिंह 'दिनकर' (हिन्दी कविता)

पर नहीं यह ज्ञात, उस जड़ वृक्ष को,
प्रकृति भी तो है अधीन विमर्ष के ।
यह प्रभंजन शस्त्र है उसका नहीं;
किन्तु, है आवेगमय विस्फोट उसके
प्राण का,
जो जमा होता प्रचंड निदाघ से,
फूटना जिसका सहज अनिवार्य है ।

यों ही, नरों में भी विकारों की शिखाएँ
आग-सी
एक से मिल एक जलती हैं प्रचण्डावेग
से,
तप्त होता क्षुद्र अन्तर्व्योम पहले व्यक्ति
का,
और तब उठता धधक समुदाय का
आकाश भी
क्षोभ से, दाहक घृणा से, गरल, ईर्ष्या,
द्वेष से ।
भट्ठियाँ इस भाँति जब तैयार होती हैं,
तभी
युद्ध का ज्वालामुखी है फूटता
राजनैतिक उलझनों के ब्याज से
या कि देशप्रेम का अवलम्ब ले ।

किन्तु, सबके मूल में रहता हलाहल है
वही,
फैलता है जो घृणा से, स्वर्थमय विद्वेष
से ।

युद्ध को पहचानते सब लोग हैं,
जानते हैं, युद्ध का परिणाम अन्तिम
ध्वंस है !
सत्य ही तो, कोटि का वध पाँच के सुख
के लिए !

किन्तु, मत समझो कि इस कुरुक्षेत्र में
पाँच के सुख ही सदैव प्रधान थे;
युद्ध में मारे हुओं के सामने
पाँच के सुख-दुख नहीं उद्देश्य केवल
मात्र थे !

और भी थे भाव उनके हृदय में,
स्वार्थ के, नरता, कि जलते शौर्य के;
खींच कर जिसने उन्हें आगे किया,
हेतु उस आवेश का था और भी ।

युद्ध का उन्माद संक्रमशील है,
एक चिनगारी कहीं जागी अगर,
तुरत बह उठते पवन उनचास हैं,
दौड़ती, हँसती, उबलती आग चारों
ओर से ।

और तब रहता कहाँ अवकाश है
तत्त्वचिन्तन का, गंभीर विचार का ?
युद्ध की लपटें चुनौती भेजतीं
प्राणमय नर में छिपे शार्दूल को ।

युद्ध की ललकार सुन प्रतिशोध से
दीप्त हो अभिमान उठता बोल है;
चाहता नस तोड़कर बहना लहू,
आ स्वयं तलवार जाती हाथ में ।

रुग्ण होना चाहता कोई नहीं,
रोग लेकिन आ गया जब पास हो,
तिक्त ओषधि के सिवा उपचार क्या ?
शमित होगा वह नहीं मिष्टान्न से ।

है मृषा तेरे हृदय की जल्पना,
युद्ध करना पुण्य या दुष्पाप है;
क्योंकि कोई कर्म है ऐसा नहीं,
जो स्वयं ही पुण्य हो या पाप हो ।

सत्य ही भगवान ने उस दिन कहा,
'मुख्य है कर्त्ता-हृदय की भावना,
मुख्य है यह भाव, जीवन-युद्ध में
भिन्न हम कितना रहे निज कर्म से।'

औ' समर तो और भी अपवाद है,
चाहता कोई नहीं इसको मगर,
जूझना पड़ता सभी को, शत्रु जब
आ गया हो द्वार पर ललकारता ।

है बहुत देखा-सुना मैंने मगर,
भेद खुल पाया न धर्माधर्म का,
आज तक ऐसा कि रेखा खींच कर
बाँट दूँ मैं पुण्य औ' पाप को ।

जानता हूँ किन्तु, जीने के लिए
चाहिए अंगार-जैसी वीरता,
पाप हो सकता नहीं वह युद्ध है,
जो खड़ा होता ज्वलित प्रतिशोध पर ।

छीनता हो सत्व कोई, और तू
त्याग-तप के काम ले यह पाप है ।
पुण्य है विच्छिन्न कर देना उसे
बढ रहा तेरी तरफ जो हाथ हो ।

बद्ध, विदलित और साधनहीन को
है उचित अवलम्ब अपनी आह का;
गिड़गिड़ाकर किन्तु, माँगे भीख क्यों
वह पुरुष, जिसकी भुजा में शक्ति हो ?

युद्ध को तुम निन्द्य कहते हो, मगर,
जब तलक हैं उठ रहीं चिनगारियाँ
भिन्न स्वर्थों के कुलिश-संघर्ष की,
युद्ध तब तक विश्व में अनिवार्य है ।

और जो अनिवार्य है, उसके लिए
खिन्न या परितप्त होना व्यर्थ है ।
तू नहीं लड़ता, न लड़ता, आग यह
फूटती निश्चय किसी भी व्याज से ।

पाण्डवों के भिक्षु होने से कभी
रुक न सकता था सहज विस्फोट यह
ध्वंस से सिर मारने को थे तुले
ग्रह-उपग्रह क्रुद्ध चारों ओर के ।

धर्म का है एक और रहस्य भी,
अब छिपाऊँ क्यों भविष्यत् से उसे ?
दो दिनों तक मैं मरण के भाल पर
हूँ खड़ा, पर जा रहा हूँ विश्व से ।

व्यक्ति का है धर्म तप, करुणा, क्षमा,
व्यक्ति की शोभा विनय भी, त्याग भी,
किन्तु, उठता प्रश्न जब समुदाय का,
भूलना पड़ता हमें तप-त्याग को।

जो अखिल कल्याणमय है व्यक्ति तेरे
प्राण में,
कौरवों के नाश पर है रो रहा केवल वही ।
किन्तु, उसके पास ही समुदायगत जो
भाव हैं,
पूछ उनसे, क्या महाभारत नहीं अनिवार्य
था ?
हारकर धन-धाम पाण्डव भिक्षु बन जब
चल दिये,
पूछ, तब कैसा लगा यह कृत्य उस
समुदाय को,
जो अनय का था विरोधी, पाण्डवों का
मित्र था ।

और जब तूने उलझ कर व्यक्ति के
सद्धर्म में
क्लीव-सा देखा किया लज्जा-हरण निज
नारि का,
द्रौपदी के साथ ही लज्जा हरी थी जा रही
उस बड़े समुदाय की, जो पाण्डवों के
साथ था
और तूने कुछ नहीं उपचार था उस दिन
किया;
सो बता क्या पुण्य था ? य पुण्यमय था
क्रोध वह,
जल उठा था आग-सा जो लोचनों में
भीम के ?

कायरों-सी बात कर मुझको जला मत;
आज तक
है रहा आदर्श मेरा वीरता, बलिदान ही;
जाति-मन्दिर में जलाकर शूरता की
आरती,
जा रहा हूँ विश्व से चढ युद्ध के ही यान
पर ।

त्याग, तप, भिक्षा ? बहुत हूँ जानता मैं
भी, मगर,
त्याग, तप, भिक्षा, विरागी योगियों के
धर्म हैं;
याकि उसकी नीति, जिसके हाथ में
शायक नहीं;
या मृषा पाषण्ड यह उस कापुरुष बलहीन
का,
जो सदा भयभीत रहता युद्ध से यह
सोचकर
ग्लानिमय जीवन बहुत अच्छा, मरण
अच्छा नहीं

त्याग, तप, करुणा, क्षमा से भींग कर,
व्यक्ति का मन तो बली होता, मगर,
हिंस्र पशु जब घेर लेते हैं उसे,
काम आता है बलिष्ठ शरीर ही ।

और तू कहता मनोबल है जिसे,
शस्त्र हो सकता नहीं वह देह का;
क्षेत्र उसका वह मनोमय भूमि है,
नर जहाँ लड़ता ज्वलन्त विकार से ।

कौन केवल आत्मबल से जूझ कर
जीत सकता देह का संग्राम है ?
पाश्विकता खड्ग जब लेती उठा,
आत्मबल का एक बस चलता नहीं ।

जो निरामय शक्ति है तप, त्याग में,
व्यक्ति का ही मन उसे है मानता;
योगियों की शक्ति से संसार में,
हारता लेकिन, नहीं समुदाय है ।

कानन में देख अस्थि-पुंज मुनिपुंगवों का
दैत्य-वध का था किया प्रण जब राम ने;
"मातिभ्रष्ट मानवों के शोध का उपाय
एक
शस्त्र ही है ?" पूछा था कोमलमना वाम
ने ।
नहीं प्रिये, सुधर मनुष्य सकता है तप,
त्याग से भी," उत्तर दिया था घनश्याम
ने,
"तप का परन्तु, वश चलता नहीं सदैव
पतित समूह की कुवृत्तियों के सामने।"

तृतीय सर्गसमर निंद्य है धर्मराज, पर,
कहो, शान्ति वह क्या है,
जो अनीति पर स्थित होकर भी
बनी हुई सरला है ?

सुख-समृद्धि क विपुल कोष
संचित कर कल, बल, छल से,
किसी क्षुधित क ग्रास छीन,
धन लूट किसी निर्बल से ।

सब समेट, प्रहरी बिठला कर
कहती कुछ मत बोलो,
शान्ति-सुधा बह रही, न इसमें
गरल क्रान्ति का घोलो ।

हिलो-डुलो मत, हृदय-रक्त
अपना मुझको पीने दो,
अचल रहे साम्राज्य शान्ति का,
जियो और जीने दो ।

सच है, सत्ता सिमट-सिमट
जिनके हाथों में आयी,
शान्तिभक्त वे साधु पुरुष
क्यों चाहें कभी लड़ाई ?

सुख का सम्यक्-रूप विभाजन
जहाँ नीति से, नय से
संभव नहीं; अशान्ति दबी हो
जहाँ खड्ग के भय से,

जहाँ पालते हों अनीति-पद्धति
को सत्ताधारी,
जहाँ सुत्रधर हों समाज के
अन्यायी, अविचारी;

शेष पढ़े कल के अंक में ...

बढ़ती आपराधिक मानसिकता और भटकता युवा — समाज किस दिशा में जा रहा है और जिम्मेदार कौन है

सम्पादकीय नंदकिशोर
अध्यक्ष -प्रेस क्लब पूर्णिया
बीएसपीएस,बिहार

आज का युवा देश का भविष्य कहा जाता है, लेकिन यही युवा वर्ग यदि धीरे-धीरे अपराध, हिंसा, नशे, कट्टरता और असंवेदनशीलता की ओर बढ़ता दिखाई दे, तो यह केवल एक पीढ़ी की समस्या नहीं रह जाती, बल्कि पूरे समाज, व्यवस्था और विचारधारा पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा कर देती है। हाल के वर्षों में यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि किशोर और युवा अपराधों में तेजी से संलिप्त हो रहे हैं। हत्या, लूट, बलात्कार, साइबर अपराध, नशा तस्करी, ऑनलाइन ठगी, गैंग कल्चर और हथियारों का खुला प्रदर्शन अब केवल फिल्मों या दूर-दराज़ के अपराध जगत की कहानी नहीं रह गए हैं, बल्कि आम मोहल्लों, स्कूलों, कॉलेजों और सोशल मीडिया की टाइमलाइन तक पहुंच चुके हैं। सवाल यह नहीं है कि अपराध बढ़ रहे हैं या नहीं, बल्कि यह है कि हमारे युवाओं के भीतर आपराधिक मानसिकता क्यों पनप रही है और इसके लिए जिम्मेदार कौन है।

यह मान लेना सबसे आसान होता है कि दोष केवल युवाओं का है। कहा जाता है कि नई पीढ़ी अनुशासनहीन है, नैतिकता से दूर है और उसे मेहनत के बजाय शॉर्टकट चाहिए। लेकिन यह दृष्टिकोण अधूरा और सुविधाजनक है, क्योंकि किसी भी पीढ़ी का चरित्र अचानक नहीं बदलता। युवा जिस समाज, परिवार, शिक्षा व्यवस्था, राजनीति, मीडिया और आर्थिक वातावरण में पलते हैं, वही उनके विचारों और व्यवहार को आकार देता है। इसलिए यदि आज का युवा अपराध की ओर झुक रहा है, तो यह हमारे सामूहिक विफलताओं का परिणाम है।

परिवार, जिसे संस्कारों की पहली पाठशाला कहा जाता है, आज खुद एक संक्रमण काल से गुजर रहा है। बदलती जीवनशैली, आर्थिक दबाव, माता-पिता की व्यस्तता और टूटते पारिवारिक ढांचे ने बच्चों के साथ संवाद को लगभग समाप्त कर दिया है। कई घरों में मां-बाप बच्चों को समय नहीं दे पा रहे, और जब समय नहीं मिलता, तो मूल्य भी स्थानांतरित नहीं होते। बच्चों की परवरिश मोबाइल फोन, इंटरनेट और सोशल मीडिया कर रहे हैं। माता-पिता तब जागते हैं, जब बच्चा गलत संगत, नशे या अपराध की ओर बढ़ चुका होता है। तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। अनुशासन के नाम पर या तो अति-लाड़ मिलता है या अति-डांट, लेकिन संवाद, समझ और मार्गदर्शन का अभाव साफ दिखता है।

शिक्षा व्यवस्था की भूमिका भी कम चिंताजनक नहीं है। आज शिक्षा का उद्देश्य चरित्र निर्माण नहीं, बल्कि केवल डिग्री और रोजगार बनकर रह गया है। स्कूल और कॉलेज नैतिक शिक्षा, सामाजिक जिम्मेदारी और संवेदनशीलता की बात तो करते हैं, लेकिन व्यवहार में प्रतिस्पर्धा, अंक, रैंक और पैकेज को ही सफलता का पैमाना बना दिया गया है। जब बच्चे यह देखते हैं कि ईमानदारी से पढ़ने वाला पीछे रह जाता है और शॉर्टकट अपनाने वाला आगे निकल जाता है, तो उनके भीतर नैतिक द्वंद्व पैदा होता है। परीक्षा में नकल, फर्जी सर्टिफिकेट, झूठे अनुभव पत्र और सिफारिश की संस्कृति उसी शिक्षा व्यवस्था की देन है, जो मूल्यों से ज्यादा परिणामों को महत्व देती है।

बेरोजगारी और आर्थिक असुरक्षा युवाओं को अपराध की ओर धकेलने वाला एक बड़ा कारण बन चुकी है। पढ़-लिखकर भी जब युवाओं को रोजगार नहीं मिलता, या मिलता है तो अस्थायी, कम वेतन वाला और असुरक्षित, तब उनके भीतर हताशा जन्म लेती है। यह हताशा धीरे-धीरे गुस्से में बदलती है और गुस्सा अपराध का पहला कदम होता है। जब समाज मेहनत करने वाले को सम्मान और सुरक्षा नहीं देता, और अपराध से जुड़े लोग शक्ति, पैसा और रुतबा हासिल करते दिखते हैं, तो युवा भ्रमित होता है। उसे लगता है कि ईमानदारी कमजोरी है और अपराध चतुराई।

राजनीति भी इस मानसिकता को पोषित करने में बड़ी भूमिका निभा रही है। अपराधियों का राजनीतिक संरक्षण, चुनावों में बाहुबल और धनबल का इस्तेमाल, अपराध के आरोपियों का खुलेआम मंच साझा करना युवाओं के लिए खतरनाक संदेश देता है। जब कानून तोड़ने वाला नेता बन जाता है और कानून मानने वाला हाशिये पर चला जाता है, तो युवा किससे प्रेरणा ले? राजनीति यदि अपराध को इनाम देगी, तो युवा अपराध को करियर विकल्प मानने लगेंगे।

मीडिया और मनोरंजन उद्योग की भूमिका भी कम जिम्मेदार नहीं है। फिल्मों, वेब सीरीज और सोशल मीडिया कंटेंट में अपराधियों को ग्लैमराइज किया जा रहा है। गैंगस्टर, माफिया और अपराधी जीवनशैली को स्टाइल, पावर और रुतबे के रूप में दिखाया जाता है। युवा जब लगातार यही दृश्य देखते हैं, तो अपराध उन्हें रोमांचक और आकर्षक लगने लगता है। सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ तस्वीरें, अपराध को महिमामंडित करने वाले गाने और हिंसा भरे वीडियो युवाओं की सोच को धीरे-धीरे कुंद कर देते हैं। वास्तविक जीवन के परिणामों को छिपाकर केवल चमकदार पक्ष दिखाना समाज के लिए घातक है।

कानून-व्यवस्था की ढिलाई और न्याय में देरी भी युवाओं को गलत संदेश देती है। जब अपराध करने के बाद भी सजा नहीं मिलती, या वर्षों तक मामले लटके रहते हैं, तो अपराध का भय समाप्त हो जाता है। कई युवा यह मानने लगते हैं कि पकड़े जाने की संभावना कम है और पकड़े भी गए तो सजा से बचा जा सकता है। कानून का डर खत्म होना अपराध की जड़ है। जब न्याय दिखाई नहीं देता, तो अन्याय सामान्य लगने लगता है।

सामाजिक असमानता और अवसरों की असमान उपलब्धता भी आपराधिक मानसिकता को जन्म देती है। जब एक ही समाज में कुछ लोग ऐशो-आराम में रहते हैं और कुछ बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष करते हैं, तो असंतोष पनपता है। यह असंतोष यदि सकारात्मक दिशा में न जाए, तो अपराध का रूप ले लेता है। युवा यह प्रश्न पूछने लगते हैं कि यदि व्यवस्था उन्हें कुछ नहीं दे रही, तो वे व्यवस्था का सम्मान क्यों करें।

यह भी सच है कि समाज ने युवाओं से संवाद करना लगभग छोड़ दिया है। हम उनसे अपेक्षाएं तो रखते हैं, लेकिन उनकी समस्याएं सुनना नहीं चाहते। हम उन्हें अनुशासन सिखाना चाहते हैं, लेकिन उन्हें समझना नहीं चाहते। जब युवा खुद को अकेला, अनसुना और उपेक्षित महसूस करता है, तो वह ऐसे समूहों की ओर आकर्षित होता है, जो उसे पहचान, शक्ति और अपनापन देने का दावा करते हैं। कई बार यही समूह अपराध और हिंसा की ओर ले जाते हैं।

अब प्रश्न यह है कि हमारा समाज किस दिशा में जा रहा है और कहां जाकर रुकेगा। यदि यही प्रवृत्ति जारी रही, तो हम एक ऐसे समाज की ओर बढ़ेंगे, जहां डर, अविश्वास और हिंसा सामान्य हो जाएगी। जहां हर व्यक्ति दूसरे को संदेह की नजर से देखेगा। जहां कानून कमजोर और ताकतवरों की मनमानी चलेगी। ऐसा समाज न तो सुरक्षित होगा, न स्थिर और न ही प्रगतिशील।

लेकिन तस्वीर का दूसरा पक्ष भी है। आज का युवा केवल अपराध की ओर नहीं जा रहा, बल्कि वही युवा नवाचार, सेवा, संघर्ष और परिवर्तन का वाहक भी है। जरूरत है कि हम उसकी ऊर्जा को सही दिशा दें। इसके लिए परिवार को संवाद और समय देना होगा। शिक्षा व्यवस्था को चरित्र निर्माण को केंद्र में रखना होगा। सरकार को रोजगार, न्याय और सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी। राजनीति को अपराध से दूरी बनानी होगी। मीडिया को जिम्मेदारी समझनी होगी। और समाज को यह स्वीकार करना होगा कि युवा समस्या नहीं, बल्कि समाधान है।

अंततः बढ़ती आपराधिक मानसिकता किसी एक कारण का परिणाम नहीं, बल्कि कई विफलताओं का संयुक्त नतीजा है। यदि हम केवल युवाओं को दोष देकर अपने कर्तव्यों से मुक्त होना चाहते हैं, तो समस्या और गहरी होगी। लेकिन यदि हम ईमानदारी से आत्ममंथन करें और व्यवस्था को मानवीय, न्यायपूर्ण और संवेदनशील बनाएं, तो वही युवा समाज को सही दिशा में ले जाने की ताकत भी रखता है। सवाल यह नहीं है कि युवा क्या बन रहा है, बल्कि यह है कि हम उसे क्या बना रहे हैं।

व्यवस्था से टकराती वास्तविकता

संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिवर्ष 20 फरवरी को मनाया जाने वाला विश्व सामाजिक न्याय दिवस आज के समय में केवल असमानताओं पर प्रहार और समानता के विस्तार की एक औपचारिक अंतरराष्ट्रीय रस्म भर नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक चेतना को झकझोरने वाला आह्वान बन चुका है। वर्ष 2026 में यह दिवस विशेष महत्व इसलिए भी ग्रहण कर रहा है क्योंकि पूरी दुनिया एक साथ कई संकटों से जूझ रही है—तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था, तकनीकी संक्रमण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उभार, जलवायु परिवर्तन की मार, राजनीतिक ध्रुवीकरण और लगातार गहराती सामाजिक असमानताएं। ऐसे दौर में "समावेश को सशक्त बनाना: सामाजिक न्याय के लिए अंतर को पाटना" केवल एक थीम नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के सामने खड़ा नैतिक प्रश्न है।

यह थीम हमें स्पष्ट रूप से याद दिलाती है कि विकास तब तक खोखला है, जब तक वह समाज के हर वर्ग को साथ लेकर न चले। समावेशन तब तक दिखावा है, जब तक वह न्यायपूर्ण न हो। सामाजिक न्याय का अर्थ केवल अवसरों की समानता नहीं, बल्कि उस पूरी व्यवस्था का निर्माण है, जिसमें संसाधनों, अधिकारों और मानवीय गरिमा का निष्पक्ष और संतुलित वितरण सुनिश्चित हो। जब तक समाज का अंतिम व्यक्ति शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा तक समान पहुंच हासिल नहीं करता, तब तक किसी भी देश की प्रगति अधूरी ही मानी जाएगी।

2026 की थीम विशेष रूप से उन समुदायों की भागीदारी पर जोर देती है, जो ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रहे हैं—चाहे वे आर्थिक रूप से वंचित हों, सामाजिक रूप से उपेक्षित हों या राजनीतिक निर्णय-प्रक्रिया से दूर रखे गए हों। समावेशन का सशक्तिकरण केवल योजनाओं और भाषणों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि सत्ता, संसाधन और निर्णय में वास्तविक हिस्सेदारी का अधिकार बनना चाहिए।

आज वैश्विक स्तर पर असमानताओं की खाई कई रूपों में हमारे सामने खड़ी है। एक ओर तकनीकी क्रांति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता अभूतपूर्व अवसरों का वादा कर रही है, तो दूसरी ओर पारंपरिक रोजगार तेजी से असुरक्षित होते जा रहे हैं। डिजिटल विभाजन ने एक नई सामाजिक दीवार खड़ी कर दी है, जहां जिनके पास तकनीक और कौशल है वे आगे बढ़ रहे हैं, और जिनके पास नहीं है वे और पीछे छूटते जा रहे हैं। ग्रामीण और शहरी, विकसित और विकासशील, पुरुष और महिला, सक्षम और दिव्यांग—इन सबके बीच संसाधनों की असमान पहुंच सामाजिक तनाव को जन्म दे रही है।

ऐसे समय में सामाजिक न्याय का अर्थ है इन अंतरों को स्वीकार करना और उन्हें पाटने के लिए संवेदनशील, लक्षित और ईमानदार नीतियों का निर्माण करना। सम्मानजनक कार्य की अवधारणा सामाजिक न्याय के केंद्र में होनी चाहिए। केवल रोजगार उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं है, बल्कि ऐसी कार्य-संस्कृति आवश्यक है जिसमें उचित वेतन, सुरक्षित परिस्थितियां और श्रमिक अधिकारों की वास्तविक रक्षा हो। यदि विकास केवल आंकड़ों और जीडीपी ग्राफ तक सीमित रह जाए और आम नागरिक के जीवन में राहत न ला सके, तो वह विकास नहीं, बल्कि असमानता का विस्तार है।

मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र आज किसी विकल्प का विषय नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन चुका है। कोविड-19 महामारी ने पूरी दुनिया को यह सिखा दिया कि संकट किसी भी समाज को अचानक असहाय बना सकता है। बेरोजगारी, स्वास्थ्य आपदा और आर्थिक अस्थिरता से निपटने के लिए सामाजिक सुरक्षा जाल का मजबूत होना अत्यंत आवश्यक है। वृद्धजन, दिव्यांग, महिलाएं, बच्चे और असंगठित क्षेत्र के श्रमिक—इन सभी के लिए संरक्षित ढांचा ही न्यायपूर्ण समाज की नींव रखता है।

भारत जैसे विविधतापूर्ण लोकतंत्र में सामाजिक न्याय का प्रश्न केवल नीतिगत नहीं, बल्कि ऐतिहासिक और संवैधानिक भी है। संविधान ने समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों के माध्यम से एक ऐसे समाज की कल्पना की थी, जहां जाति, धर्म, लिंग या वर्ग के आधार पर भेदभाव के लिए कोई स्थान न हो। इसके बावजूद आज सामाजिक न्याय का संघर्ष केवल आर्थिक असमानता तक सीमित नहीं है; यह सामाजिक पूर्वाग्रहों, लैंगिक भेदभाव, क्षेत्रीय असंतुलन और सांस्कृतिक वर्चस्व से भी जुड़ा हुआ है।

समकालीन भारत में सरकारें वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने के लिए अनेक योजनाओं का दावा करती हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के माध्यम से अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक और नशा-पीड़ित व्यक्तियों के सशक्तिकरण की बात की जाती है। नीतिगत स्तर पर यह कहा जाता है कि सामाजिक न्याय विभाजन की राजनीति नहीं, बल्कि समावेशन की नीति से स्थापित होगा। फिर भी जमीनी सच्चाई यह है कि महंगाई, बेरोजगारी, पर्यावरणीय संकट और बढ़ती जीवन-यापन लागत आम नागरिक के लिए रोजमर्रा की लड़ाई बन चुकी है।

लोकतंत्र का उद्देश्य केवल चुनाव कराना नहीं, बल्कि जनसंतोष और जनकल्याण सुनिश्चित करना है। यदि नागरिक स्वयं को असुरक्षित, असमान और उपेक्षित महसूस करें, तो सामाजिक न्याय का विचार एक खोखला नारा बनकर रह जाता है। आज आवश्यकता है कि सामाजिक न्याय को राजनीतिक हथियार नहीं, बल्कि नैतिक दायित्व के रूप में देखा जाए। दुर्भाग्य यह है कि हमने आचरण की पवित्रता और पारदर्शिता के स्थान पर कदाचरण और अनैतिकता को सामान्य बना लिया है। ऐसा प्रतीत होता है कि धनतंत्र और सत्तातंत्र ने जनतंत्र को बंधक बना लिया है।

कानून और न्याय-व्यवस्था चाहे जितनी भव्य और निष्पक्ष होने का दावा करे, आम आदमी के अनुभव में वह अक्सर दंड का ही रूप लेती है। जब तक न्याय सुलभ, त्वरित और समान नहीं होगा, तब तक सामाजिक न्याय एक दूर का सपना ही रहेगा। सामाजिक न्याय के नाम पर समाज को बांटना समाधान नहीं है। शासन और प्रशासन की प्रत्येक नीति का अंतिम लक्ष्य मानव कल्याण होना चाहिए। यदि सत्ता और संसाधनों का प्रयोग जनहित के बजाय स्वार्थ में हो, तो उसका परिणाम असंतोष, अविश्वास और सामाजिक विघटन के रूप में सामने आता है।

विश्व सामाजिक न्याय दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। क्या हमारा लोकतंत्र वास्तव में समानता का लोकतंत्र है या वह विशेषाधिकारों का संरक्षक बन चुका है? क्या स्वतंत्रता सबके लिए समान अवसर लेकर आई है या वह कुछ वर्गों तक सीमित होकर रह गई है? क्या हमारी नीतियां पारदर्शिता और नैतिकता पर आधारित हैं या वे जटिलता और असमानता को और बढ़ा रही हैं? इन प्रश्नों से आंख चुराना ही सामाजिक न्याय के साथ सबसे बड़ा अन्याय होगा।

सामाजिक न्याय केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी भी है। जाति, धर्म, वर्ग और लिंग के भेद से ऊपर उठकर यदि नागरिक परस्पर सम्मान और सहयोग की भावना विकसित करें, तो सामाजिक ताना-बाना मजबूत हो सकता है। शिक्षा संस्थान, नागरिक संगठन, सांस्कृतिक और सामाजिक मंच—सभी को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

आज जब वैश्विक अर्थव्यवस्था कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित ऊर्जा और डिजिटल नवाचार की ओर बढ़ रही है, तब यह सुनिश्चित करना और भी आवश्यक हो जाता है कि इन अवसरों का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे। अन्यथा विकास की गाड़ी कुछ लोगों को आगे ले जाएगी और बहुसंख्यक को पीछे छोड़ देगी। समावेशन का सशक्तिकरण इसी असंतुलन को रोकने की कोशिश है।

2026 का विश्व सामाजिक न्याय दिवस हमें यह स्पष्ट संदेश देता है कि न्याय और विकास एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। शांति, स्थिरता और समृद्धि का रास्ता सामाजिक न्याय से होकर ही गुजरता है। जब समाज का अंतिम व्यक्ति भी सम्मान, सुरक्षा और अवसर के साथ जीवन जी सकेगा, तभी यह कहा जा सकेगा कि सामाजिक न्याय केवल एक विचार नहीं, बल्कि जीवंत वास्तविकता बन चुका है। तभी विश्व सामाजिक न्याय दिवस मनाने की सार्थकता वास्तव में सिद्ध होगी।

— कृष्णा पाठक
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

आज का राशीफल

मेष	**कर्क**	**तुला**	**मकर**
आज का दिन आपके निजी जीवन में दोस्तों और परिवार के साथ मजबूत संबंध बनाने का है। कुछ छोटी-मोटी अनबन हो सकती है, लेकिन आपका धैर्य उन्हें सुलझाने में मददगार साबित होगा।	आज आपके निजी जीवन में एक रोमांचक मोड़ आ सकता है। अपनों से जुड़ने और अपने विचारों और भावनाओं को खुलकर साझा करने का यह एक अच्छा अवसर है।	आपका स्नेही स्वभाव आपको दूसरों की मदद करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित कर सकता है। यह प्रशंसनीय है, लेकिन अपनी व्यक्तिगत ज़रूरतों के लिए भी समय निकालना सुनिश्चित करें।	आज दोस्तों और परिवार के साथ मेलजोल पर विशेष जोर रहेगा। आप सामाजिक गतिविधियों के केंद्र में हो सकते हैं, जिससे आपके रिश्ते और मजबूत हो सकते हैं।
वृषभ	**सिंह**	**वृश्चिक**	**कुंभ**
अपने निजी जीवन में सामंजस्य और स्थिरता की उम्मीद करें। परिवार या दोस्तों के साथ छोटी-छोटी खुशियों का आनंद लेने से एक सौहार्दपूर्ण वातावरण बनेगा।	आज आपमें एक चुंबकीय आकर्षण है जो लोगों को आपकी ओर खींचता है, सिंह राशि। इसका उपयोग अपने आस-पास के लोगों के साथ गहरे संबंध बनाने के लिए करें।	निजी जीवन में, यह आत्मचिंतन और कुछ छोटे-मोटे समायोजन का दिन है। कोई अप्रत्याशित घटना योजनाओं में बदलाव ला सकती है, जिसके लिए प्राथमिकताओं का पुनर्मूल्यांकन आवश्यक हो सकता है।	आज आप ऊर्जा से भरपूर महसूस कर सकते हैं और रुचि के नए क्षेत्रों को तलाशने के लिए प्रेरित हो सकते हैं।
मिथुन	**कन्या**	**धनु**	**मीन**
यह दिन आपको जीवन की गतिशील जटिलताओं को अपनाने के लिए आमंत्रित करता है। आप स्वयं को कई जिम्मेदारियों को निभाते हुए पा सकते हैं, लेकिन आपकी चतुर अनुकूलन क्षमता आपको सब कुछ संभालने में मदद करेगी।	आज आपकी भावनाएं तीव्र हो सकती हैं, जिससे आपको अपने जीवन की प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता हो सकती है। शांत रहें और मित्रों एवं परिवार के साथ सच्चे संबंधों पर ध्यान केंद्रित करें।	आज आपके निजी जीवन में नए शौक और गतिविधियों की ओर आकर्षण हो सकता है। दोस्तों या परिवार के साथ जुड़ने और अपने दृष्टिकोण को समृद्ध करने वाली बातचीत में शामिल होने का यह एक शानदार समय है।	आज आपका निजी जीवन सुचारू रूप से आगे बढ़ेगा। प्रियजनों के साथ आपके भावनात्मक संबंध और गहरे होंगे, क्योंकि आप दिल को छूने वाले पल साझा करेंगे और सार्थक बातचीत करेंगे।